Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

MAJY-205

ज्योतिष शास्त्र एंव यात्रा विमर्श

एम0ए0 ज्येातिष (MAJY)

द्वितीय वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 20 = 40]

Q.1. मानव जीवन पर ग्रह राशियों का पड़ने वाले प्रभाव का वर्णन कीजिए।

P.T.O.

Q.2. यात्रा में पंचाग शुद्धि का क्या महत्व है? यात्रा प्रशस्त तिथि –नक्षत्रों का वर्णन कीजिए।

अथवा

यात्रा काल में वार एंव लग्न शुद्धि का क्या महत्व है? विस्तृत रूप से बताएँ।

Q.3. घात क्या है? यात्राकालिक घात का वर्णन कीजिये।

Q.4. शकुन से क्या तात्पर्य है? यात्राकालिक शुभ शकुनों का वर्णन कीजिए।

Q.5. यात्राकाल में कृत्याकृत्यों का वर्णन करते हुए, यात्रा के महत्व को बताएँ।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 10 = 40]

Q.1. प्राचीन कृषि विज्ञान का वर्णन कीजिए।

अथवा

वृष्टि एंव कृषि की महता पर प्रकाश डालिए।

Q.2. ज्योतिष एंव योग शास्त्र का परिचय दीजिए।

Q.3. यात्रा में अभीजित मुहूर्त का क्या महत्व है?

Q.4. यात्रा में निषिद्ध तिथि एंव विहित नक्षत्र कौन–कौन से हैं फल सहित लिखिए।

Q.5. तिथि एंव नक्षत्रों का परिचय दीजिए।

Q.6. यात्रा में घात विचार क्यों आवश्यक है। वर्णन करें।

Q.7. यात्रा में गुरू शुक्र विचार का क्या महत्व है?

अथवा

गर्भाधान काल के शुभाशुभ निर्णय को लिखिए।

Q.8. दिशाशूल क्या है? इसका विचार कैसें किया जाता है।

अथवा

यात्रा में भाव फल का क्या महत्व है।

****